शिकारी से बचने की कोशिश में..... 13

कुछ जीवों के ऐसे रंग होते हैं कि किसी पेड़ के तने पर बैठ जाएं तो उन्हें ढूंढना मुश्किल, वहीं कुछ जीव ऐसे कि कहीं भी रहें अपने चमकदार रंगों के कारण दूर से ही पहचान लिए जाएंगे। रंगों का यह फर्क कीट-समुदाय में तो खासतौर से काफी स्पष्ट है। जब अवलोकन और प्रयोग हुए तो मालूम पड़ा, शिकारी से बचने के लिए जीवों में जो सुरक्षा के तरीके विकसित हुए हैं उनमें से एक यह भी है। मोनार्क तितली के उदाहरण के साथ इसी पहलू की छानबीन

भूकंप, ज्वालामुखी और प्लेट..... 31

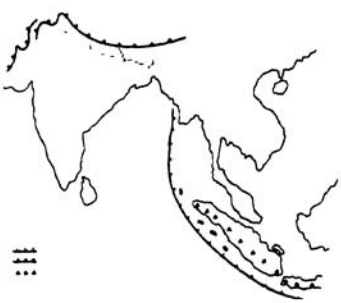

यूं तो भूकंप और ज्वालामुखी कहीं भी हो सकते हैं; लेकिन अधिकतर ये कुछ सीमित दायरों में लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहते हैं। ये दायरे प्लेट की सीमाएं चिह्नित करते हैं। पिछले अंक से जारी 'प्लेट टेक्टोनिक्स' का दूसरा भाग जिसमें प्लेट के गुणों के साथ-साथ सुपर महाद्वीप 'पेंजिआ' के टूटन की चर्चा की गई है। यह सुपर पेंजिआ करीब 20 करोड़ साल पहले अस्तित्व में था। भारत, जो आज भूमध्य रेखा के उत्तर में है उस समय नीचे अंटार्कटिका के पास पड़ा हुआ था।

खोज: प्लेग के जीवाणु और उसके फैलने के तरीके की..... 57

इतिहास गवाह है कि इंसान बीती सदियों में किसी और बीमारी से इतना भयभीत नहीं रहा है जितना कि प्लेग से। जब यह फैलता था तो शहर-के-शहर उजाड़ देता था। बहुत कम लोगों को ही मालूम होगा कि इसके जीवाणु – और यह कैसे एक से दूसरे तक फैलता है – की खोज से जुड़े शोध की कड़ी भारत से भी जुड़ी हुई है। इसी शोध और उससे जुड़े वैज्ञानिकों का जीवंत वर्णन।

इस अंक में

आपने लिखा.....	2	ज़रा सिर तो खुजलाइए.....	55
एक प्रयोग से उपजी बहस.....	6	खोज: प्लेग के जीवाणु और उसके.....	57
शिकारी से बचने की कोशिश में.....	13	चुंबक, मैं और वह शिक्षक.....	71
क्रोमेटोग्राफी, यानी मिश्रण से अलग.....	19	धूमकेतु, एक बार फिर.....	74
सवालीराम.....	29	सिपाही नेमीशरण का जनाज़ा.....	77
भूकंप, ज्वालामुखी और प्लेट.....	31	जहां चाह वहां राह.....	86
बच्चों के चित्र क्या बताते हैं.....	46	चींटी का शिकार.....	96